Dr. Om Prakash Keshri
Associate Professor
P.G. Deptt. of Psychology
Maharaja College, ARA.

P.G. Semester – 2

CC – 8 – Statistics

Test of Skewness

Scanned with CamScanner

Test of Skewness

विषमता की जाँच —

(1) केंद्रीय प्रवृत्ति अर्थात mean, median एवं mode की मापों के बीच अन्तर जितना अधिक होगा, विषमता भी उतनी ही अधिक होगी।

(2) वितरण में mean से यदि P_{10} P_{90} की दूरी समान न हुई, तो वितरण विषम होता है।

(3) यदि distribution curve Normal distribution curve के अनुरूप घंटाकार न हुआ तो वितरण विषम होगा।

(4) mean से Q_1 और Q_3 की दूरी समान न हुई, तो वितरण विषम होता है।

Scanned with CamScanner

(5) $(Q_3 - \text{Median}) > (\text{Median} - Q_1)$ रहने पर धनात्मक विषमता होती है।

(6) $(Q_3 - \text{Median}) < (\text{Median} - Q_1)$ रहने पर ऋणात्मक विषमता होती है।

(7) धनात्मक विषमता में mean का मान median और mode की अपेक्षा अधिक होता है।

(8) ऋणात्मक विषमता में mean का मान median और mode की अपेक्षा कम होता है।

(9) वितरण में D_1 (प्रथम दशक) तथा D_9 (नवाँ दशक) अपने mean से समान दूरी पर नहीं रहने पर वितरण का रूप प्रायः विषम ही रहेगा।

Scanned with CamScanner

⑩ median से विचलनों का योग शून्य नहीं होने पर वितरण विषम होगा।

⑪ zero skewness उस समय होता है, जब mean, median और mode तीनों बराबर होते हैं अथवा (Q3 − median) = (median − Q1)

⑫ यदि mean − mode का मान ऋणात्मक आता है तो विषमता ऋणात्मक होगी। इसके विपरीत यदि मान धनात्मक आता है तो विषमता धनात्मक होगी।

Dr. Om Prakash Keshri
P.G. Deptt of Psychology
Maharaja College, ARA.

Scanned with CamScanner